Date 29/05/2020 | Page- 1 to 4 | Saathi

B.A., PART-IST
POLITICAL SCIENCE
PAPER-I (BASIC PRINCIPLES OF POLITICAL THEORY)
CH-12 (DEMOCRACY)
LECTURE NO.- 38 (THIRTY EIGHT)

By. OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SC.
D. B. COLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

लोकतंत्र
(DEMOCRACY)

मानव जाति के प्रारंभिक काल से लेकर अब तक विभिन्न प्रकार की शासन व्यवस्थाएँ विद्यमान रही हैं और शासन के इन विभिन्न रूपों का मानव जाति के राजनीतिक विकास में विशेष महत्व रहा है। विभिन्न शासन व्यवस्थाओं में से तीन प्रमुख रूप से प्रचलित रहे हैं - राजतंत्र, कुलीनतंत्र और लोकतंत्र।

प्रारंभ में सामान्यतया राजतंत्रात्मक या कुलीनतंत्रात्मक शासन व्यवस्थाएँ ही प्रचलित थीं, किन्तु कालांतर में जब इनमें खामियाँ उजागर होने लगी अर्थात शासक वर्ग जन आकांक्षा के पूर्ति करने में असमर्थ होने लगा, वह निरंकुश हो गया और उसमें भ्रष्ट आचरण करने की प्रवृति बढ़ने लगी, तो इनमें परिवर्तन करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी और इस प्रकार परिवर्तन के रूप में लोकतंत्र का उदय हुआ।

लोकतंत्र के अन्तर्गत दो प्रकार से शासन किया जाता है - (i) जनता के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से (ii) जनता के द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से। द्वितीय प्रकार को व्यवहारिक माना गया और अधिकांश देशों के द्वारा इसे अपनाया गया। लेकिन कालांतर में इस व्यवस्था के सम्बंध में भी अनुभव किया जाने लगा कि यह भी जनसाधारण के हितों की पूर्ति करने में असमर्थ रहा है। अतः शासन-व्यवस्था के प्रकार के रूप में लोकतंत्र के साथ-साथ राज्य के

Scanned with CamScanner

Date __/__/____

प्रकार के रूप में लोकतंत्र, समाज व्यवस्था के प्रकार के रूप में लोकतंत्र और आर्थिक व्यवस्था के प्रकार के रूप में भी लोकतंत्र की स्थापना की गयी। इन सभी को ध्यान में रखते हुए लोकतंत्र की व्याख्या करने एवं परिभाषित करने का प्रयास किया गया है जो इस प्रकार है —

(i) शासन के प्रकार के रूप में लोकतंत्र —

'लोकतंत्र' अंग्रेजी के शब्द 'Democracy' का हिन्दी रूपान्तरण है। 'Democracy' शब्द की उत्पत्ति ग्रीक के दो शब्द 'Demos' और Kratia से हुई है। डेमोस का अर्थ है 'जन साधारण' और क्रेसी का अर्थ है 'शासन'। इस प्रकार Democracy का तात्पर्य 'जन साधारण का शासन'।

इस रूप में लोकतंत्र "उस शासन प्रणाली को कहते हैं जिसमें जनता स्वयं प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से अपने प्रतिनिधियों द्वारा सम्पूर्ण जनता के हित की दृष्टि में रखकर शासन करती है।"

अब्राहम लिंकन के अनुसार, "लोकतंत्र शासन का वह रूप है जिसमें जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन हो।"

ब्राइस के शब्दों में, "लोकतंत्र शासन का वह प्रकार है जिसमें राज्य के शासन की शक्ति किसी विशेष वर्ग या वर्गों में निहित न होकर सम्पूर्ण जन समुदाय में निहित है।"

(ii) राज्य के प्रकार के रूप में लोकतंत्र —

लोकतंत्र को वास्तविक रूप में जनता के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए यह आवश्यक है कि जनता न केवल अपने प्रतिनिधियों का चुनाव

Scanned with CamScanner

Saathi

Date __/__/____

करे वरन वह अपने प्रतिनिधियों पर व्यवहार में नियंत्रण भी रखें और अंतिम रूप में महत्वपूर्ण राजनीतिक नियमों का निर्णय जनता द्वारा ही किया जाय।

इर्नेश्वा के अनुसार,

"राज्य के प्रकार के रूप में लोकतंत्र शासन की ही एक विधि नहीं अपितु वह सरकार की नियुक्ति करने, उस पर नियंत्रण करने तथा उसे अपदस्थ करने की विधि है।"

(iii) सामाजिक व्यवस्था के प्रकार के रूप में लोकतंत्र —

इस रूप में लोकतंत्र से उस समाज का ज्ञान होता है जिसके अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य व्यक्ति रूप में ही होता है और जाति, रंग, लिंग, सम्पत्ति और धर्म भेद के बिना सभी व्यक्ति समान समझे जाते हैं तथा समान अधिकार एवं अवसर का उपयोग करते हैं।

डॉ॰ बेनीप्रसाद के शब्दों में,

"यह जीवन का एक ढंग है। यह इस मान्यता पर आधारित है कि प्रत्येक व्यक्ति के सुख का महत्व उतना ही है जितना किसी अन्य किसी के सुख का महत्व हो सकता है तथा किसी को भी अन्य के सुख का साधन मात्र नहीं समझा जा सकता।"

डॉ॰ इर्नेश्वा के शब्दों में,

"लोकतांत्रिक समाज वह है जिसमें समानता के विचार की प्रबलता हो तथा जिसमें समानता का सिद्धांत प्रचलित हो।"

(iv) आर्थिक व्यवस्था के प्रकार के रूप में लोकतंत्र —

इस रूप में लोकतंत्र का तात्पर्य आर्थिक समानता की स्थापना से है। सभी व्यक्तियों को बिना किसी भेदभाव के आवश्यक रूप में आर्थिक न्यूनतम जरूरतों की

Page No.

Scanned with CamScanner

Saathi

Date ___/___/___

पूर्ति होनी चाहिए और उद्योगों के प्रबंध के सम्बंध में प्रजातंत्रात्मक धारणा को अपनाया जाना चाहिए।

(v) जीवन के विशिष्ट दृष्टिकोण के रूप में लोकतंत्र —

प्रजातंत्र राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का एक प्रकार ही नहीं, वरन् यह तो जीवन के प्रति विशिष्ट दृष्टिकोण भी है। "सबके हृदय में क्षमा, सहिष्णुता, सेवा, परोपकार, विरोधी के दृष्टिकोण के प्रति आदर-भाव, मानवीय व्यक्तित्व के प्रति सम्मान और समझौते की प्रवृत्ति विद्यमान हो। प्रजातंत्र में सभी व्यक्तियों द्वारा दूसरे के प्रति वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा व्यवहार वह अपने प्रति पसन्द करता है।"

उपर्युक्त वर्णित विवेचना से स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में लोकतंत्र का अर्थ शासन-व्यवस्था का एक रूप विशेष ही नहीं वरन् इसका तात्पर्य राज्य के एक प्रकार, सामाजिक जीवन के एक प्रकार, आर्थिक व्यवस्था के एक प्रकार और जीवन के एक ढंग से है।

गिडिंग्स के अनुसार,

"लोकतंत्र केवल सरकार का ही रूप नहीं है वरन् राज्य और समाज का रूप अथवा इन तीनों का मिश्रण भी है।"

अतः "लोकतंत्र मानवीय सभ्यता और व्यक्ति के व्यक्ति रूप में महत्व पर आधारित एक ऐसा जीवन मार्ग है जिसका उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन के इन विविध क्षेत्रों में अधिकाधिक समानता की स्थापना करना और एक सहयोगी समाज की रचना करना है।"

x —— x —— x —— x —— x

Scanned with CamScanner